संक्षिप्त समाचार

युवती की हिम्मत के आगे पस्त पड़ा बदमाश, लोगों की मदद से दो झपटमारों को पकड़ा

बाहरी दिल्ली, एजेंसी। एक युवती ने राहगीरों की मदद से दो झपटमार को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। मुखर्जी नगर थाना क्षेत्र में छह मार्च को अपने कार्यालय से पीजी जा रही एक युवती से बाइक सवार झपटमार मोबाइल छीनने की कोशिश करने लगा, इस दौरान युवती ने शोर मचाते हुए, बदमाशों का विरोध किया। तभी दोनों बदमाश हड़बड़ाहट में बाइक से नीचे गिर गए। तभी आसपास मौजूद लोगों की मदद से युवती ने इन्हें पकड़ लिया। लोगों ने जमकर बदमाशों की पिटाई कर दी। पास में ही गश्त कर रही पुलिस ने दोनों को भीड़ के चंगुल से छुड़ाकर पकड़ लिया। उत्तरी-पश्चिमी जिला के पुलिस अधिकारी ने बताया कि बीते छह मार्च को पीड़िता चांदनी ने पुलिस को बताया कि वह अपने कार्यालय से पैदल ही जीटीबी नगर स्थित पीजी जा रही थीं। तभी जीटीबी नगर के पास पीछे से आए दो बाइक सवार बदमाशों ने युवती से मोबाइल फोन छीनने की कोशिश करने लगा। पीड़िता ने इसका विरोध किया, इस दौरान बाइक सवार नीचे गिर गए। तभी पीड़िता मदद के लिए चिल्लाई। आसपास मौजूद लोगों ने आरोपितों को पकड़ लिया। लोगों ने आरोपितों को पीटना शुरू कर दिया। इस दौरान पास में ही गश्त कर रहे पुलिस टीम ने आरोपितों को पकड़ लिया। इसकी तलाशी के दौरान कब्जे से पीड़िता के मोबाइल फोन समेत झपटमारी के तीन मोबाइल फोन बरामद हुए। एक चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की है। आरोपित अमन उर्फ अयान एक आदतन और सक्रिय अपराधी है, जो पहले भी एक आपराधिक मामले में शामिल रहा है। जबकि दूसरा आरोपित नाबालिग है। इन दोनों ने आसानी से पैसा कमाने के लिए अपराध करना शुरू कर दिया। ताकि नशीली दवाओं व शराब की लत को पूरा कर सके।

नरेला में चाकू से गोदकर दोस्त को मार डाला, बाजार में रेहड़ी लगाकर चलाता था परिवार का खर्च

बाहरी दिल्ली, एजेंसी। नरेला थाना क्षेत्र में रविवार की रात एक दोस्त ने एक युवक को चाकू से हमला कर दिया। जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास मौजूद लोगों ने घायल को तुरंत पास के ही एक अस्पताल में पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने युवक को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव स्वजन को सौंप दिया। पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के मुताबिक 28 वर्षीय शमशेर परिवार के साथ नरेला सेक्टर-ए-10 में रहता था। नरेला क्षेत्र में लगने वाले अलग-अलग साप्ताहिक बाजारों में रेहड़ी लगाकर परिवार का खर्च चलाता था। पुलिस सूत्रों के मुताबिक रविवार देर रात अपने दोस्त विशाल के नरेला क्षेत्र में ही कहीं गया था। इस दौरान इन दोनों की किसी बात पर कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ता देख, आसपास मौजूद लोगों ने इन दोनों को समझा कर शांत कराने की कोशिश की। इस दौरान विशाल ने शमशेर के पेट में चाकू मार दिया। जिससे पीड़ित नीचे गिर पड़ा। तभी आरोपित मौके से फरार हो गया। मौजूद लोगों ने गंभीर रूप से घायल को पास के राजा हरिश्चंद्र अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान शमशेर की मौत हो गई। अस्पताल से पुलिस को जानकारी मिलने पर पुलिस ने चश्मदीद के बयान के आधार पर संबधित धाराओं में मामला दर्ज कर आरोपित को पुलिस की टीम ने सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि दोनों आपस में अच्छे दोस्त थे।

कबाड़ के गोदाम में लगी भीषण आग, फायर ब्रिगेड की चार गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद पाया काबू

नईदिल्ली, एजेंसी। नंदग्राम क्षेत्र स्थित रेत मंडी में देर रात कबाड़ के गोदाम में आग लग गई। दमकल ने चार घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल के मुताबिक सोमवार देर रात करीब डेढ़ बजे सूचना मिली कि रेत मंडी स्थित कबाड़ के गोदाम में आग लग गई है। आग बाबा इंटरनेशनल स्कूल के पास हाइटेंशन लाइन के नीचे बने कबाड़ के गोदाम में लगी थी।

फिर थम सकती है दिल्ली, अब एसकेएम ने 14 मार्च को रामलीला मैदान में बुलाई महापंचायत

नईदिल्ली, एजेंसी।
संयुक्त किसान मोर्चा एक बार फिर दिल्ली को थामने की तैयारी कर रही है। एसकेएम ने 14 मार्च (गुरुवार) को नई दिल्ली के रामलीला मैदान में किसान महापंचायत बुलाई है। इसमें देशभर के किसान, खासकर उत्तर भारत के किसान बड़ी संख्या में शामिल होंगे। हालांकि, अभी तक किसान संगठन को दिल्ली पुलिस और दिल्ली नगर निगम से महापंचायत करने की हरी झंडी नहीं मिली है। संयुक्त किसान मोर्चा के चार सदस्यों की समिति अभी भी दिल्ली पुलिस और एमसीडी के अधिकारियों से महापंचायत करने की इजाजत लेने की कोशिशों में जुटी है। डीसीपी हर्षवर्द्धन और एसकेएम नेताओं के साथ कई दौर की बैठकें हुई हैं। संयुक्त किसान मोर्चा की राष्ट्रीय समन्वय समिति के सदस्य मिंदर सिंह पटियाला ने बताया कि 8 मार्च को दिल्ली पुलिस उप आयुक्त के साथ बैठक हुई थी, जिसमें उन्होंने सकारात्मक रुख दिखाया है। उन्होंने कहा, हम दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के अधिकारियों से भी मिले, जिन्होंने हमें बताया कि अगर दिल्ली पुलिस अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) दे देती है तो एमसीडी भी महापंचायत के लिए आसानी से एनओसी दे देगी। एसकेएम किसानों का वही संगठन है, जिसने वर्ष

2020-21 के किसान आंदोलन का नेतृत्व किया था। एसकेएम ने पहले न्यूनतम समर्थन मूल्य पर एक कानून सहित किसानों की मांगों को स्वीकार करने के लिए केंद्र पर दबाव बनाने के लिए किसान महापंचायत आयोजित करने की घोषणा की थी। बैठक के बाद दूसरे एसकेएम नेता दर्शन पाल ने कहा कि पंजाब के किसान बड़ी संख्या में महापंचायत में भाग लेने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा कि महापंचायत शांतिपूर्ण होगी। पाल ने कहा कि देश के विभिन्न हिस्सों से किसान ट्रैक्टर ट्रॉलियों के बजाय बसों और ट्रेनों से दिल्ली जाएंगे। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, चुनाव होने वाले हों या न होने वाले हों, इससे हमारा कोई लेना-देना नहीं है। हमारी मांगें पूरी होने तक हमारा संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य राजनीतिक दलों पर चुनावी घोषणापत्र में अपनी मांगों को शामिल करने के लिए दबाव बनाना है। संयुक्त किसान मोर्चा ने ऐसे वक्त में दिल्ली के रामलीला मैदान में किसान महापंचायत का आह्वान किया है, जब लोकसभा चुनाव होने वाले हैं, दूसरी तरफ किसान मजदूर मोर्चा और संयुक्त किसान मोर्चा गैर राजनीतिक के बैनर तले सैकड़ों किसान पंजाब के खनौरी और शंभू बॉर्डर पर पिछले 28 दिनों से धरने पर बैठे हैं। इन किसानों को अब तक ट्रैक्टर-ट्रॉली से दिल्ली मार्च की इजाजत नहीं मिल सकी है।किसानों के दोनों धड़ों की मांग एक जैसी ही है।

150 बराती, 1000 पुलिसकर्मी, सीसीटीवी कंट्रोल रूम, कमांडो की तैनाती...

नई दिल्ली, एजेंसी।
द्वारका सेक्टर-तीन स्थित संतोष गार्डन बैंक्वेट हाल में आज कुख्यात गैंगस्टर संदीप उर्फ काला जठेड़ी व अनुराधा चौधरी उर्फ मैडम मिंज की शादी होगी । इसके लिए सुरक्षा के बेहद चौक चौबंद बंदोबस्त किए गए हैं। समारोह स्थल से लेकर जठेड़ी व उसके स्वजन के आने जाने वाले रूटों पर भी पुलिस का करा पहरा रहेगा। शादी समारोह के दौरान कोई हमला न कर दे इसके लिए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल, स्वाट दस्ता, क्राइम ब्रांच, स्थानीय पुलिस, तीसरी बटालियन, हरियाणा पुलिस की सीआइए, राजस्थान पुलिस और राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) के अधिकारियों की संदीप की शादी पर पैनी नजर है। सुबह छह बजे ही बैंक्वेट हाल के अंदर-बाहर व आसपास की सड़कों व गलियों में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती कर दी गई जो जठेड़ी व समारोह में आने वाले उसके स्वजन को वहां से वापस अपने घर पहुंचने तक सुरक्षा में तैनात रहेंगे। बैंक्वेट हाल के प्रवेश द्वार पर डोरफ्रेम मेटल डिटेक्टर, सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। ड्रोन की भी व्यवस्था की गई है। सशस्त्र कमांडो की भी तैनाती की गई है। जठेड़ी करीब 10.30 तक शादी समारोह स्थल पर आएगा। स्पेशल सेल के एडिशनल पुलिस कमिश्नर प्रमोद सिंह कुशवाहा का कहना है कि गैंगवार की घटना व संदीप के हिरासत से भाग जाने आदि सभी संभावनाओं को देखते हुए रणनीतिक बनाई गई है। समारोह में सीमित संख्या में लोगों के शामिल होने को कहा गया है। उनके नाम की सूची आधार कार्ड व अन्य पहचान पत्र पुलिस को मुहैया करा दी गई है। अनुराधा ने हरियाणा व दिल्ली के कुछ पत्रकारों को आमंत्रित किया है। जठेड़ी को जो व्यापारी नियमित रूप से रंगदारी देते रहे हैं उन्हें भी आमंत्रित किया गया है। ऐसे लोगों के सामने एक समस्या खड़ी हो गई है कि वे जाएं तो कैसे जाएं। जाने पर वे पुलिस के रडार में आ सकते हैं।

धोबी घाट आरओबी का हुआ उद्घाटन, रोजाना पांच लाख लोगों को मिल रहा लाभ

नईदिल्ली, एजेंसी। सांसद एवं केंद्रीय सड़क परिवहन राजमार्ग एवं नागर विमानन राज्यमंत्री विजय कुमार सिंह ने मंगलवार को धोबी घाट आरओबी का विधिवत उद्घाटन कर दिया है। यह आरओबी पिछले कई महीनों से यातायात के लिए खुला हुआ है। विजयनगर में स्थित धोबी घाट बनने से विजयनगर के लोगों की सीधी शहर से कनेक्टिविटी हो गई है। बीते 40 वर्षों से विजयनगर पर इसकी आवश्यकता थी लेकिन इस समस्या को समाधान तक सांसद वीके सिंह ने पहुंचाया। इस रेलवे ओवर ब्रिज पर प्रतिदिन तीन से पांच लाख लोगों की आवाजाही हो रही है। यह रेलवे ओवर ब्रिज जनता के लिए उद्घाटन से पहले ही खुलवा दिया था ताकि औपचारिकता के कारण जनता को किसी भी तरह की समस्या का सामना न करना पड़े। 1982 से गाजियाबाद के लोगों की विजयनगर से गाजियाबाद शहर को जोड़ने के लिए रेलवे स्टेशन पर आरओबी की एक प्रमुख मांग थी। इस रास्ते पर यातायात की बाधाओं से घिरे गाजियाबाद के लोग एक आरओबी के अभाव के कारण छह से सात किलोमीटर अतिरिक्त वाहन चलाकर अपनी मंजिल तक पहुंच रहे थे। सांसद वीके सिंह के संज्ञान में यह बात आयी और उन्होंने इस सम्बंध में कार्य करना शुरू कर दिया। जल्द से जल्द सर्वेक्षण का कार्य पूर्ण कराकर गाजियाबाद रेलवे स्टेशन पर आरओबी की आधारशिला रख दी गई। 110 करोड़ रुपये की लागत से 1.34 किलोमीटर लंबे 1500 टन के भार वाले इस आरओबी के बनने से विजयनगर और गाजियाबाद शहर की बीच बेहतर कनेक्टिविटी बनी है और घंटो की दूरी अब मिनटों में पूरी हो रही है। इस रेलवे ओवर ब्रिज को बनाने में बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन सांसद ने सभी समस्याओं का समाधान किया।

कांग्रेस के कमलनाथ, अशोक गहलोत जैसे कई दिग्गज नेता चुनाव में उतरने को तैयार नहीं

नईदिल्ली, एजेंसी।
लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस की पहली लिस्ट आ चुकी है। इसमें राहुल गांधी के वायनाड सीट और शशि थरूर के तिरुअनंतपुरम से लड़ने का ऐलान हुआ है। अब तक राहुल गांधी के अमेठी से लड़ने पर तस्वीर साफ नहीं है। यही नहीं उनके अलावा कई ऐसे नेता हैं, जिनके नामों का अब तक ऐलान नहीं हुआ है। यही नहीं चर्चा है कि कमलनाथ, अशोक गहलोत जैसे कई बड़े नेता चुनाव में उतरना ही नहीं चाहते। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार राजस्थान में सचिन पायलट और अशोक गहलोत में से कोई भी लोकसभा का चुनाव नहीं लड़ेगा। वहीं अशोक गहलोत के बेटे वैभव जालोर सीट से मैदान में उतर सकते हैं। हालांकि परिवार की सीट जोधपुर रही है।

इसके अलावा मध्य प्रदेश में कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ भी उतरने के लिए तैयार नहीं हैं। उनकी जगह पर बेटे नकुल नाथ छिंदवाड़ा से लड़ेंगे। वहीं जानकारों का कहना है कि कांग्रेस के दिग्गज नेताओं की चुनाव से बेरुखी

का नतीजों पर भी असर दिखेगा। असल में यदि ये नेता चुनाव में उतरते तो एक माहौल बनता। खासतौर पर कठिन सीटों पर बड़े नेताओं के चुनाव लड़ने से पार्टी को माहौल बनाने में मदद मिलती। लेकिन नेताओं के डिफेंसिव रुख अपनाने से पार्टी की चिंता बढ़ गई है। इस बीच सोमवार को कांग्रेस की चुनाव समिति की मीटिंग हुई। इसम मीटिंग में असम, गुजरात, उत्तराखंड, राजस्थान, मध्य प्रदेश की सीटों पर बात हुई है। राजस्थान, एमपी, गुजरात के अलावा उत्तराखंड में भी सीनियर नेता चुनाव में उतरने के इच्छुक नहीं हैं। हरीश रावत को पार्टी ने हरिद्वार से ऑफर दिया है, जबकि नेता विपक्ष यशपाल आर्य को कुमाऊं की दो सीटें ऑफर की गई हैं। लेकिन दोनों ही नेता चुनाव लड़ने का इरादा नहीं रखते। हरीश रावत तो चाहते हैं कि उनकी जगह पर बेटे को टिकट दे दिया जाए। इसकी वजह यह है कि वह अब राजनीति से संन्यास के मूड में हैं और अपने बदले में बेटे को सेट कराना चाहते है। टिहरी सीट से सीनियर नेता और विधायक प्रीतम सिंह को ऑफर मिला था, लेकिन उन्होंने भी इनकार कर दिया। वरिष्ठ नेताओं के इस रुख से कांग्रेस में अंदरुनी कलह की भी स्थिति है। उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष करण माहरा ने पार्टी हाईकमान से कहा है कि सीनियर नेताओं को जिम्मेदारी लेते हुए चुनाव में उतरना चाहिए। कठिन समय में ऐसा करने से एक अच्छा संदेश जाएगा। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि खुद अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे भी लोकसभा सीट नहीं लड़ना चाहते। उनके नाम पर कलबुर्गा सीट को लेकर आम सहमति है, लेकिन वह यह सीट अपने दामाद को देना चाहते हैं। उनकी इच्छा है कि दामाद राधाकृष्णन डोड्डामणि को टिकट मिल जाए। हालांकि इस तरह वह कांग्रेस अधिवेशन में पारित प्रस्ताव का ही उल्लंघन करेंगे, जिसमें संकल्प लिया गया था कि किसी परिवार के एक ही मेंबर को लोकसभा या विधानसभा का टिकट मिलेगा।

विकसित भारत की ओर दिल्ली विश्वविद्यालय का एक और सशक्त कदमः एनसीडब्ल्यूईबी की छात्राओं के लिए एमओयू

नई दिल्ली, एजेंसी।
आज का दिन नॉन-कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड (एनसीडब्ल्यूईबी) के इतिहास में मील का पत्थर है, क्योंकि नॉन-कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड (एनसीडब्ल्यूईबी), दिल्ली विश्वविद्यालय और एशिया फाउंडेशन ने एनसीडब्ल्यूईबी की छात्राओं के बीच डिजिटल दक्षता और रोजगारपरक कौशल को बढ़ाने के उद्देश्य से एक अभूतपूर्व समझौता साइन किया है, ताकि इससे उन्हें प्रतिस्पर्धी और तकनीकी रूप से दक्ष बनाया जा सके। इससे वे तकनीकी रूप से संचालित औपचारिक अर्थव्यवस्था का हिस्सा बन सकेंगी। दिल्ली विश्वविद्यालय के वाइस-रीगल लॉज में आयोजित एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर समारोह में इस महत्वपूर्ण क्षण को चिह्नित किया, जहाँ सभी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने इस साझेदारी को औपचारिक रूप दिया। यह रणनीतिक गठबंधन एशिया फाउंडेशन के स्किल्स वर्क कार्यक्रम के माध्यम से ड्ढद्धक्र द्वारा समर्थित है और यह महिलाओं के सशक्तिकरण पर ध्यान केंद्रित करते हुए विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण के साथ जुड़ा हुआ है। साझेदारी का लक्ष्य 20 घंटे के फाउंडेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से एनसीडबल्यूईबी की 1500 छात्राओं को प्रति वर्ष प्रशिक्षित करना है, जो डिजिटल साक्षरता, रोजगारपरक सॉफ्ट स्किल्स और व्यक्तिगत वित्तीय प्रबंधन पर केंद्रित है। प्रो. बलराम पाणि (डीन ऑफ कॉलेजेज, दि.वि. एवं चेयरपर्सन,एनसीडब्ल्यूईबी) ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह पहल हमारी छात्राओं के डिजिटली दक्षता प्राप्ति में सहायक होगा। एनसीडब्ल्यूईबी के निदेशक प्रोफेसर गीता भट्ट ने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय के यशस्वी कुलपति प्रो. योगेश सिंह के सानिध्य में ह्ष्ट्वङ्खश्वक्च की छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु लिए गए प्रयासों में यह समझौता एक महत्वपूर्ण कड़ी बनेगा। डॉ. विकास गुप्ता (रजिस्ट्रार, दि.वि.) ने कहा कि यह समझौता डिजिटली सशक्तिकरण की दिशा में उठाया गया एक बेहतरीन कदम है। दिल्ली विश्वविश्वविद्यालय में कंप्यूटर सेंटर के निदेशक प्रोफेसर संजीव सिंह ने आज के समय में इस तरह की साझेदारी के महत्व पर प्रकाश डाला जो रोजगार के नजरिए से महिलाओं को सशक्त बनाने और स्थायी प्रभाव पैदा करने की अपनी क्षमता पर जोर देता है। इस संदर्भ में बात करते हुए सुश्री नंदिता बरुआ (राष्ट्रीय प्रतिनिधि, द एशिया फाउंडेशन) ने साझेदारी के लिए अपना उत्साह व्यक्त किया। उन्होंने कहा, ÷हम उन युवा महिलाओं को कौशल प्रदान करने के लिए एनसीडब्ल्यूईबी, दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ इस साझेदारी को शुरू करके प्रसन्न हैं जो भारत के विकास की एक कड़ी बनना चाहती हैं।

होली पर बिहार जाने वालों के लिए गुड न्यूज, दिल्ली से चलेंगी कई विशेष ट्रेनें

नई दिल्ली, एजेंसी।
होली पर घर जाने वालों को ट्रेन में कंफर्म टिकट नहीं मिल रहा है। सबसे अधिक भीड़ पूर्व दिशा की ट्रेनों में है। अधिकांश ट्रेनों में लंबी प्रतीक्षा सूची है। यात्रियों की परेशानी को देखते हुए रेलवे ने बिहार के शहरों के लिए होली विशेष ट्रेनें चलाने की घोषणा की है। आने वाले दिनों में कुछ और विशेष ट्रेनें चलाने की घोषणा होगी। 21 व 28 मार्च को आनंद विहार टर्मिनल से रात 11 बजे रवाना होकर अगले दिन शाम चार बजे पटना पहुंचेगी। 22 व 29 मार्च को पटना से शाम पौने छह बजे रवाना होकर अगले दिन पूर्वाह्न 11.20 बजे आनंद विहार टर्मिनल पहुंचेगी।
सामान्य, शयनयान व वातानुकूलित श्रेणी कोच वाली इस ट्रेन का मार्ग में ठहराव गोविंदपुरी, प्रयागराज जंक्शन, वाराणसी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन व दानापुर रेलवे स्टेशन पर होगा। पुरानी दिल्ली से 24 व31 मार्च को सुबह 8.50 बजे रवाना होकर अगले दिन सुबह साढ़े छह बजे बरौनी पहुंचेगी। वापसी में 24 मार्च व एक अप्रैल को सुबह आठ बजे बरौनी से रवाना होकर अगले दिन सुबह 7.35 बजे पुरानी दिल्ली पहुंचेगी। विशेष ट्रेन रास्ते में अलीगढ़, टुंडला, इटावा, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, गोंडा, बस्ती, सिवान, छपरा और हाजीपुर में रुकेगी। आनंद विहार टर्मिनल से 22 व 29 मार्च को सुबह 10.30 बजे रवाना होकर अगले दिन अपराह्न सवा तीन बजे जयनगर पहुंचेगी। वापसी में 23 व 30 मार्च को शाम पांच बजे जयनगर से रवाना होकर अगले दिन शाम 7.55 बजे आनंद विहार टर्मिनल पहुंचेगी।
रास्ते में इसका ठहराव मुरादाबाद, बरेली, लखनऊ, रायबरेली, अमेठी, मां बेल्हा देवी धाम, वाराणसी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन , बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलीपुत्र, हाजीपुर, मुजफ्फरपुर,समस्तीपुर, दरभंगा और मधुबनी में होगा। आनंद विहार से 25 मार्च को पूर्वाह्न 11.10 बजे रवाना होकर अगले दिन पूर्वाह्न 11.20 बजे सहरसा पहुंचेगी।

क्या केरल और बंगाल रोक सकते हैं सीएए, क्या केंद्र के कानून के खिलाफ राज्य क्या कदम उठा सकते हैं?

नईदिल्ली, एजेंसी।
सीएए यानी नागरिकता संशोधन कानून को देशभर में लागू कर दिया गया है। इसके साथ ही एक बार फिर सियासी गलियारों में हलचल बढ़ गई है। एक ओर जहां केरल सरकार ने साफ कर दिया है कि इसे राज्य में लागू नहीं किया जाएगा। वहीं, पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी लंबे समय से इसका विरोध करती रही हैं। सवाल है कि क्या केंद्र के कानून के खिलाफ राज्य क्या कदम उठा सकते हैं।

वरिष्ठ अधिवक्ता एवं संविधान मामलों के विशेषज्ञ संजय पारीख ने कहा कि नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) केंद्रीय कानून है। ऐसे में राज्य कानूनी तौर पर इसे लागू करने से मना नहीं कर सकते हैं। लेकिन, यदि राज्य को लगता है कि यह कानून संविधान की मूल भावना और संघवाद के खिलाफ है, तो उसे (राज्य) इसका विरोध करने का पूरा अधिकार

है।

पारीख ने बताया कि राज्य कानून का विरोध करने के लिए विधानसभा में प्रस्ताव पारित करने के साथ-साथ इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का भी दरवाजा खटखटा सकते हैं। उन्होंने बताया कि केरल सरकार विधानसभा में इस कानून के खिलाफ पहले ही प्रस्ताव पारित कर चुकी है। इसके अलावा, केरल सरकार ने इस कानून को सुप्रीम कोर्ट में भी चुनौती दी है।क्या बोले राज्य तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राजनीतिक लाभ हासिल करने के प्रयास में लोकसभा चुनाव से पहले सीएए के नियमों को अधिसूचित करके अपने डूबते जहाज को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। स्टालिन ने कहा कि भाजपा सरकार के विभाजनकारी एजेंडे ने नागरिकता अधिनियम को हथियार बना दिया है, इसे मानवता के प्रतीक से धर्म और नस्ल के आधार पर भेदभाव के उपकरण में बदल दिया है। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने कहा कि सीएएअधिनियम के नियमों को अधिसूचित करना राजनीति से प्रेरित है, जो आगामी लोकसभा चुनावों को ध्यान में रखकर किया गया है। उन्होंने कहा कि यह कदम चुनाव में अधिक सीट जीतने और सत्ता में आने को लेकर भाजपा के आत्मविश्वास की कमी को दर्शाता है।

परमेश्वर ने कहा, आज नागरिकता (संशोधन) अधिनियम के नियम गजट में प्रकाशित हो गए हैं। मुझे लगता है कि इसका पूरा विवरण देखे बिना इस पर टिप्पणी करना उचित नहीं है। हमने 2019 में देखा कि कई लोगों ने इसका विरोध किया था। इसके बावजूद अगर केंद्र सरकार इस फैसले पर पहुंची है, तो इसकी जांच की जानी चाहिए और इस पर गौर किया जाना चाहिए। केरल के मुख्यमंत्री पिनरायी विजयन ने सीएए को सांप्रदायिक आधार पर विभाजन पैदा करने वाला कानून करार देते हुए सोमवार को कहा कि इसे दक्षिणी राज्य में लागू नहीं किया जाएगा। विजयन ने यहां एक बयान में कहा, सरकार ने बार-बार कहा है कि सीएए केरल में लागू नहीं किया जाएगा, जो मुस्लिम अल्पसंख्यकों को दोयम दर्जे का नागरिक मानता है। यह रुख बरकरार है। सांप्रदायिक रूप से विभाजनकारी इस कानून के खिलाफ पूरा केरल एकजुट होगा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि अगर सीएए लोगों के समूहों के साथ भेदभाव करता है, तो वह इसका विरोध करेंगी। सीएए और राष्ट्रीय नागरिक पंजी को पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर के लिए संवेदनशील करार देते हुए बनर्जी ने कहा कि वह लोकसभा चुनाव से पहले अशांति नहीं चाहती हैं। राज्य सचिवालय में जल्दबाजी में बुलाए गए एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, बनर्जी ने कहा, ऐसी खबरें हैं कि सीएए को अधिसूचित किया जाएगा।